केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 290 शुक्रवार 15 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

विशेष सचिव ने किया कान्हा गौशाला का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुग्ध विकास विभाग के विशेष सचिव रामसहाय यादव ने गुरुवार को नगर पालिका स्थित कान्हा गोशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोशाला में मिली अव्यवस्थाओं पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। विशेष सचिव ने स्पष्ट कहा कि गोवंश के संरक्षण और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि गायों के लिए हरे चारे की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। इस पर उन्होंने हरे चारे की गुणवत्ता और उपलब्धता में सुधार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने दुधारू पशुओं को अन्य पशुओं से अलग रखने के लिए भी कहा, ताकि उनकी बेहतर देखभाल सुनिश्चित की जा सके। साथ ही महंगे दामों पर खरीदे जा रहे हरे चारे को लेकर सवाल उठाते हुए अधिकारियों से विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने सरकारी धन के उपयोग में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया। विशेष सचिव ने बीमार पशुओं की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उनके समुचित उपचार और विशेष देखभाल के निर्देश भी दिए।

गर्मी के मौसम को देखते हुए उन्होंने गोशाला परिसर में गायों को धूप से बचाने के लिए हरे पर्दे लगाने तथा पर्याप्त छायादार व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा साफ–सफाई, पानी की उपलब्धता और पशुओं के सामान्य रखरखाव को लेकर भी आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए।

निरीक्षण के दौरान नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेड़ गिरने से महिला की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र के ग्राम कुर्दा में बुधवार शाम तेज आंधी और बारिश के दौरान एक पेड़ गिरने से 62 वर्षीय महिला कबूतरा देवी की मृत्यु हो गई। कबूतरा देवी गांव निवासी रामदीन की पत्नी थीं। वह बुधवार शाम लगभग चार बजे अपने घर के सामने स्थित बाग के पास मौजूद थीं। इसी दौरान क्षेत्र में अचानक तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। तेज हवा के दबाव से एक विशाल पेड़ अचानक गिर पड़ा।

पेड़ की चपेट में आने से कबूतरा देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। परिजन और ग्रामीण उन्हें तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका की तीन बेटियां हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। उनके पति रामदीन खेती–किसानी कर परिवार का भरण–पोषण करते हैं। घटना की सूचना मिलने पर राजस्व विभाग की टीम सक्रिय हुई। गुरुवार को तहसीलदार शालिनी पटेल ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच–पड़ताल की और परिजनों से जानकारी ली।

ट्रंप, शी जिनपिंग के बीच वार्ता में उठा ताइवान का मुद्दा

वीजिंग (आभा)। डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच दो घंटे वार्ता हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह चीन दौरा बेहद अहम है, जो ट्रेड वार और ईरान में चल रही जंग के बीच हो रहा है। चीनी मीडिया का कहना है कि इस मीटिंग में शी जिनपिंग रेड लाइन खींच दी। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका और चीन के बीच रिश्ते सामान्य रखने हैं तो फिर ताइवान रेड लाइन है। उन्होंने ट्रंप से कहा कि ताइवान के मामले से यदि अमेरिका दूर रहेगा, तभी रिश्ते सही रह सकेंगे। उन्होंने कहा कि ताइवान के मसले पर किसी भी तरह की चूक अमेरिका ने की तो वह संबंधों पर भारी पड़ सकती है। जिनपिंग ने कहा कि ताइवान की खाड़ी के आसपास माहौल शांतिपूर्ण रहना चाहिए।

इस तरह चीन ने अमेरिका को स्पष्ट संकेत दे दिया कि यदि दोस्ती में उसकी शर्तें चलेंगी तो फिर वह भी अपनी कुछ बातें मनवाना चाहेगा। दो दिन के दौरे की शुरुआत में डोनाल्ड ट्रंप ने शी जिनपिंग को महान नेता और एक दोस्त करार दिया। इसके अलावा चीन के साथ अमेरिका के रिश्तों को बेहतर भविष्य के लिए जरूरी बताया। वहीं शी जिनपिंग के लहजे में बहुत ज्यादा गर्मजोशी नहीं दिखी। औपचारिक लहजे में ही बात करते हुए शी जिनपिंग ने कहा कि अमेरिका और चीन को प्रतिद्वंद्वी की जगह साझेदार होना चाहिए।`

पुण्य तिथि पर गांधी वादी विन्देश्वरी दूबे को किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कला प्रसार समिति की उप सभापति श्रीमती विन्देश्वरी दूबे को उनके तृतीय पुण्य तिथि पर बस्ती सदर विकास खण्ड के बनकटा स्थित कार्यालय पर याद करते हुये उनके योगदान पर चर्चा की गई।

कला प्रसार समिति सचिव हरिस्वरूप दूबे ने कहा कि श्रीमती विन्देश्वरी दूबे ने अपने पति प्रसिद्ध गांधीवादी बंशीधर दूबे के प्रभाव में आकर निरन्तर समाजसेवा का कार्य किया। उनके द्वारा कला प्रसार समिति को विकसित करने के लिये अनेक कदम उठाये गये। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में वीरेन्द्रनाथ पाण्डेय, अमरनाथ शुक्ल, अपूर्व शुक्ल, सूर्यकान्त त्रिपाठी, विश्म्भरनाथ पाण्डेय, पदमेश दूबे, पूनम शुक्ल, समिति की उप सभापति रश्मि, सीमा तिवारी, सुधा, रोली श्रीवास्तव, ममता श्रीवास्तव, मीरा देवी, पूजा देवी आदि ने श्रीमती विन्देश्वरी दूबे के व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये उन्हें नमन् किया। कहा कि कला प्रसार समिति उनके उद्देश्य को पूरा करने की दिशा में कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम में शेषनाथ पाठक, सूर्यकान्त त्रिपाठी, रमेश यादव, विवेक पाल, तफसील, गौरवमणि, अरविन्द तिवारी, घनश्याम मिश्र, आलोक शुक्ल, अक्षय, उदय स्वरूप, पिन्टू, कृष्णा, शनि, लल्लू आदि उपस्थित रहे।

अभद्र टिप्पणी के विरोध में भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने दिया धरना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रधानमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ समाजवादी पार्टी नेताओं द्वारा की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना–प्रदर्शन किया। प्रदर्शन मुख्य रूप से सपा सांसद द्वारा प्रधानमंत्री पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में आयोजित किया गया। महिला कार्यकर्ताओं ने सपा सांसद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए सार्वजनिक माफी न मांगने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

धरने के दौरान महिलाओं ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर "प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान", "सांसद अजेंद्र लोधी शर्म करो" और "अखिलेश यादव शर्म करो" जैसे नारे लगाए। कलेक्ट्रेट परिसर काफी देर तक नारों से गूंजता रहा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और महिला कार्यकर्ता शामिल रहीं।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, भाजपा नेत्री सुमन सिंह नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा आदि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनके खिलाफ अपशब्द कहना देश की जनता का अपमान है। धरने में बड़ी संख्या में भाजपा नेता उपस्थित रहे।

सेम्पलिंग से जुड़ी विसंगतियों को लेकर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गुरूवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उ. प्र. ने खाद्य विभाग द्वारा गुणवत्ता एवं सेम्पलिंग से जुड़ी विसंगतियों को लेकर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ग्रेड – 2 को 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य समस्या सेम्पलिंग की प्रक्रिया में पारदर्शिता और व्यापारी व निर्माता की जिम्मेदारियां समझते हुए कार्यवाही का निर्धारण किया जाना है।

–व्यापारियों का उत्पीड़न बंद किये जाने की मांग

प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मण्डल अध्यक्ष हरिमूर्ति सिंह 'मनोज' ने बताया कि उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उ. प्र. के 12 सूत्रीय ज्ञापन में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम प्रदेश में कहीं भी सेंपल भरे जाते समय रिटेलर के साथ–साथ निर्माता को भी पार्टी बनाया जाता है परंतु निर्माता को सैंपल भरे जाते समय जारी किया गया फॉर्म 5 क नहीं भेजा जाता। सेम्पल भरते समय निर्माता को पार्टी बनाए जाने की दशा में फार्म 5 क निर्माता के पते पर पंजीकृत डाक द्वारा तुरंत भेज जाना आवश्यक है। दूसरा बिंदु में नकली व डुप्लीकेट सामान के समाचार रोजाना समाचार पत्रों से प्राप्त होते हैं इसलिए आग्रह है कि रिटेलर या होलसेलर द्वारा बिल प्रस्तुत करने पर ही निर्माता को सैंपल भरते समय पार्टी बनाये जाने की मांग की गई।

प्रदेश उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद मद्धेशिया एवं सुनीत पाण्डेय ने कहा कि तीसरे बिन्दु में सैंपल की जांच रिपोर्ट जो महीनों में प्राप्त होती है जबकि खाद्य सुरक्षा में मानक अधिनियम में जांच कर 14 दिन में सैपल की रिपोर्ट भेजे जाने का प्रावधान किया गया है। इसे प्रदेश की सभी राजकीय जन विश्लेषण प्रयोगशाला द्वारा नमूना प्राप्त होने के बाद 14 दिन के अंदर जांब रिपोर्ट भेजने की व्यवस्था कराये जाने की मांग की गई है। चौथे में अभिहित अधिकारियों द्वारा जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के लंबे समय बाद केंद्रीय प्रयोगशाला द्वारा पुनः जांच के लिए भेजे जा रहे पत्र जहां से रिपोर्ट प्राप्त होने के महीना भर बाद भेजे जा रहे है जिससे जांच किए जाने वाले खाद्य पदार्थ की एक्सपायरी डेट निकल जाती है और पुनः जांच का कोई औचित्य नहीं रह जाता। इसके लिए अभिहित अधिकारियों को सैंपल भरे जाने के बाद राजकीय जन विश्लेषण प्रयोगशाला से शीघ्र रिपोर्ट प्राप्त कर नमूना फेल आने की दशा में पुनः जांच के लिए धारा 46 (4) का पत्र तुरन्त जारी करने के निर्देश दिये जाने की मांग की गई है।

जिला संगठन महामंत्री भरत राम गुप्ता बबलू ने बताया कि 5वें बिंदु में कहा गया है कि खाद्य पदार्थों को नष्ट करने या जब्त करने की कार्रवाई केंद्रीय जन विश्लेषण प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट आने के बाद करें क्योंकि केंद्रीय जन विश्लेषण प्रयोगशाला से नमूना पास आने के बाद व्यापारी की नुकसान की भरपाई करने की कोई व्यवस्था विभाग द्वारा निधारित नहीं की गई है। जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि छठें बिंदु में राजकीय जन विश्लेषण प्रयोगशालाओं द्वारा नमूने में कोई भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तु प्राप्त न होने के बाद भी नमूनों को मनमर्जी तरीके से असुरक्षित घोषित किया जा रहा है मानकों में कमी पाई जाने पर नमूने को अधोमानक घोषित किया जाए नमूने में मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक वस्तु पाए जाने पर नमूने को असुरक्षित घोषित किये जाने की मांग की गई हैं।

नगर अध्यक्ष राना महेन्द्र प्रताप ने बताया कि 7वें बिंदु में तुरंत न्याय के लिए खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम की धारा 69 के अंतर्गत मामूली वादों के लिए शमन की व्यवस्था लागू की जाने की मांग की गई है, जिससे व्यापारियों को न्याय मिल सकेगा तथा अनावश्यक वादों का भार भी सरकार पर नहीं पड़ेगा। नगर महामंत्री धीरेन्द्र चौधरी ने कहा कि 8वें बिंदु में कहा गया है कि खाद्य सुरक्षा में मानक अधिनियम में अधोमानक पाए जाने पर प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति न्याय निर्धारण अधिकारी के तौर पर की गई है, प्रशासनिक अधिकारी के अन्य राजकीय कामों में व्यस्त रहने के कारण न्याय निर्धारण में हो रही देरी को रोकने के लिए पूर्ण कालिक न्याय निर्धारण अधिकारी (जिसे खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम की पूरी जानकारी हो) की नियुक्ति किए जाने की व्यवस्था की जाए।

उद्योग मंच जिलाध्यक्ष कमलेश चौधरी ने कहा कि 9वें बिंदु में कहा गया है कि सभी निर्माताओं द्वारा प्रत्येक 6 माह में खाद्य पदार्थ की जांच सरकार द्वारा निर्धारित एनएवीएल लैब द्वारा कराकर पोर्टल पर अपलोड की जाती है, जिसकी पूर्ण सूचना विभाग के पास उपलब्ध होती है। इसलिए निर्माता के सील बंद पैकिंग के लिए की जारी होनी चाहिए। छापेमारी कार्रवाई बंद किये जाने का निर्देश जारी करने की मांग की गई है। युवा मोर्चा अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह एवं युवा संगठन मंत्री सत्य प्रकाश द्विवेदी ने बताया कि 10वें बिंदु में कहा गया है कि नमूने भरे जाने के बाद प्राइवेट लैब से जांच कराकर निर्माता के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है जो बिल्कुल गलत है। ऐसी कार्रवाई को समाप्त करने के आदेश पारित करने की मांग की गई है। नगर संगठन महेन्द्र गुप्ता ने कहा कि ग्यारहवें बिंदु में कहा गया कि खेतों में रासायनिक खाद में कीटनाशक डालने की मानक तय नहीं है, अंधाधुंध रासायनिक खाद व कीटनाशकों का प्रयोग रोकने का कोई साधन नहीं है। इसलिए खाद्य पदार्थों के मानक नए सिरे से तय किये जाएं। आखिरी और बारहवें बिंदु में कहा गया है कि पिछले काफी समय से विभाग द्वारा सर्वे सैंपल भरे गए है। इसके लिए मांग की गई है कि सर्वे सैम्पलों की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए तथा सर्वे सैंपलों के आधार पर नए सिरे से मानक तय किये जाएं, जिससे व्यापारियों का अन्यथा उत्पीड़न ना हो और दुकानदार निर्भय होकर व्यापार कर सकें।

ज्ञापन देने वालों में महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वंदना वर्मा, जितेंद्र सिंह गुड्डू, राजेश सिंह, प्रवीण सिंह, विवेक सिंह, अजय कन्नौजिया, नितिन श्रीवास्तव, सुजीत कुमार गुप्ता, रजत सिंह, राजकुमार चौधरी, सुनील मिश्र, अश्विन कुमार सहित अनेक लोग शामिल रहे।

प्रतीक को ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने दिया मुखाग्नि

लखनऊ (आभा)। सपा संस्थापक मुलायम सिंह के छोटे बेटे प्रतीक यादव का गुरुवार को लखनऊ के बैंकुंठ धाम में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनके ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने उन्हें मुखाग्नि दी। इससे पहले अखिलेश ने भतीजी के सिर पर हाथ फेरा और दुलार किया।

मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक की अचानक हुई मौत ने परिवार के हर शख्स को तोड़ कर रख दिया है। प्रतीक यादव अपने पीछे पत्नी अपर्णा यादव और दो बेटियों को छोड़कर गए हैं। गुरुवार को प्रतीक का बैकुंठ धाम में जब अंतिम संस्कार किया गया तो वहां हर शख्स रो पड़ा। अखिलेश यादव की आंख भी आंसू थे। प्रतीक की मौत से वैसे तो सभी गमजदा थे, लेकिन इस दुख की घड़ी में अखिलेश यादव घर के बड़े सदस्य होने का फर्ज भी निभाते नजर आए। श्मशान घाट में परिवार के कई लोग मौजूद थे, उनके उनकी बेटियां भी थीं। अपने पिता के निधन से बेखबर छोटी बेटी के सिर पर अखिलेश यादव ने उनके सिर पर हाथ फेरा और दुलार किया। अखिलेश यादव ने भतीजी के हाथों में चॉकलेट थमाई।

राशन कोटे के चयन को लेकर विवाद, बिना चयन लौटे ग्रामीण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती सदर विकास खण्ड क्षेत्र के खीरी घाट ग्राम सभा में राशन कोटे के चयन को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। ग्राम प्रधान शिवांगी सिंह की अध्यक्षता में राशन के कोटे का चयन होना सुनिश्चित किया गया था। इसके लिए पूरे ग्राम सभा में डुग्गी मुनादी कराकर तथा नोटिस चस्पा कर ग्रामीणों को सूचना दी गई थी कि निर्धारित तिथि पर कोटे का चयन किया जाएगा। अब 25 मई को कोटा चयन की तिथि निर्धारित किया गया है।

निर्धारित समय पर ग्राम सभा की बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष मौके पर पहुंचे और चयन प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार करते रहे। वहीं दूसरी ओर ग्राम सभा के आनंद मौर्य, कुणाल मौर्य, रमाकांत चौधरी, राजेश्वर तथा प्रतिमा समेत कई लोगों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि मानकों का उल्लंघन कर ग्राम सभा में घोषणा किए चयन प्रक्रिया कराई जा रही है।

बताया गया कि चयन प्रक्रिया एडीओ पंचायत सहज राम, एडीओ सेक्टर प्रभारी मधुबाला त्रिपाठी तथा ग्राम पंचायत अधिकारी रवि की मौजूदगी में संपन्न होनी थी। हालांकि विवाद और आपसी असहमति के चलते राशन कोटे का चयन नहीं हो सका।

चयन प्रक्रिया पूरी न होने के कारण पहुंची महिलाएं काफी निराश नजर आईं और बिना किसी निर्णय के वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों के बीच पूरे दिन चर्चा का माहौल बना रहा।प्रशासन द्वारा राशन कोटे के चयन की अगली तिथि 25 मई निर्धारित की गई है। अधिकारियों ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से चयन कराने का आश्वासन दिया है।

सेन्ट्रल एकेडमी के छात्रों ने इण्टरमीडिएट परीक्षा में स्थापित किया सफलता का कीर्तिमान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) द्वारा इंटरमीडिएट के घोषित परीक्षा परिणामों में सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है।

-सफल मेधावी छात्रों का बढाया हौसलाः 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रियांशु चौधरी विद्यालय में प्रथम

विद्यालय के निदेशक जे.पी. तिवारी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती दीपिका तिवारी ने बताया कि इंटरमीडिएट परीक्षा में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रियांशु चौधरी ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त नीतीश ने 92 प्रतिशत, अयान अजीज ने 92.3 प्रतिशत, शिवम राजदेव कन्नौजिया ने 86.8 प्रतिशत, रुद्रांश मिश्रा ने 86 प्रतिशत, आँचल त्रिपाठी ने 85 प्रतिशत, अभिषेक यादव ने 85.8 प्रतिशत, शिवांश गुप्ता ने 81 प्रतिशत, सुमन वर्मा ने 80.6 प्रतिशत, नितेश प्रजापति ने 79.8 प्रतिशत तथा संध्या यादव ने 79.3 प्रतिशत अंक अर्जित किए।

इस अवसर पर निदेशक जे.पी. तिवारी ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम का श्रेय विद्यालय के समर्पित शिक्षकों, विद्यार्थियों की मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग को देते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों से सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शीघ्र ही पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा।

सेन्ट्रल एकेडमी के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता का कीर्तिमान स्थापित किए हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से आबिद अरशद, प्रियंका त्रिपाठी, ए. के. मिश्र, रानी, श्रेया, द्विवेदी, अंजली, सुधा गौड़, शम्स परवेज, अंजली, रूचि, फिजा अकरम, फिजा युनूस आदि ने छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई देते हुये सफल जीवन की कामना किया।

गड्ढों में तब्दील सड़क बनी हादसों का कारण, जिम्मेदार मौन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
–रवि पाठक–

इटवा (सिद्धार्थनगर)। जनपद के विधानसभा क्षेत्र डुमरियागंज अंतर्गत ब्लॉक मिठवल की ग्राम पंचायत कमहरिया खुर्द से होकर गुजरने वाला डिहवादृसिसवादृगिद्धौरा मार्ग इन दिनों पूरी तरह बदहाल स्थिति में पहुंच चुका है। वर्ष 2015 में उत्पादन कृषि मंडी परिषद विभाग द्वारा निर्मित यह सड़क आज जगह–जगह बड़े–बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण के बाद से अब तक इसकी मरम्मत की ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया। जिम्मेदार विभाग और अधिकारी इस गंभीर समस्या पर मौन बने हुए हैं। रोजाना इसी मार्ग से स्कूली बच्चे, किसान, बुजुर्ग, बाइक सवार और ई–रिक्शा चालक गुजरते हैं, लेकिन सड़क की खराब हालत के कारण हर समय हादसे का खतरा बना रहता है।

ग्रामीणों के अनुसार अभी बरसात शुरू भी नहीं हुई है और सड़क की यह स्थिति है, जबकि बारिश के दिनों में यही गड्ढे पानी से भर जाते हैं। ऐसे में सड़क और गड्ढे में फर्क कर पाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना और अधिक बढ़ जाती है।

ग्रामीणों ने कई बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस ओर आकर्षित कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि आखिर कब तक ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर इस मार्ग से गुजरने को मजबूर रहेंगे।

क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि विष्णु प्रताप सिंह ने कहा कि,अगर उस सड़क पर जल्द ही कार्य उस विभाग द्वारा शुरू नहीं किया गया तो वहां बड़ा आंदोलन होगा, क्योंकि हम ग्रामीण इस समस्या को वर्षों से झेल रहे हैं।"

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि, "सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बरसात के समय स्थिति और भी भयावह हो जाती है। कई बार शिकायत करने के बाद भी विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।"

ग्रामीणों ने प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराई जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को राहत मिल सके और संभावित हादसों को रोका जा सके।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 15 मई 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

और मंहगा हुआ सोना–चांदी

पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट का फिलहाल कोई स्थायी हल नजर नहीं आने के मद्देनजर भारत में इसके प्रभाव को कम करने के लिए वैकल्पिक उपायों पर अमल शुरू हो गया है। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री की ओर से हाल में जनता से किए गए आग्रह के बाद सोने–चांदी पर आयात शुल्क छह फीसद से बढ़ाकर पंद्रह फीसद कर देने की घोषणा से की गई। इसके बाद इन कीमती धातुओं के दाम में बुधवार को भारी उछाल आया। सरकार का कहना है कि संकट के समय गैर–जरूरी वस्तुओं के आयात से विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ रहे दबाव को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

दरअसल, भारत बहुमूल्य धातुओं का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। कच्चे तेल के बाद सोने का देश के आयात में दूसरा बड़ा हिस्सा है। इसकी बढ़ती मांग और आयात से विदेशी मुद्रा का इस्तेमाल भी बढ़ा है, जिससे रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया है। हालांकि, आभूषण कारोबारी सरकार के इस कदम से निराश हैं, लेकिन यह भी सच है कि समय रहते समुचित उपाय नहीं किए गए, तो आने वाले दिनों में जो जटिल परिस्थितियां पैदा होंगी, उनका सबसे ज्यादा असर आम आदमी पर ही पड़ेगा।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर देश की जनता से विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, भोजन पकाने के तेल के इस्तेमाल में कमी लाने और सोने की खरीद एवं विदेश यात्रा को स्थगित करने जैसे उपाय अपनाने का आह्वान किया था। संदेश स्पष्ट था कि देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है, जिसे कम करने के लिए वैकल्पिक उपायों की ओर बढ़ना होगा।

इसमें दोराय नहीं है कि किसी भी बड़े संकट से निपटने के लिए आम नागरिकों की भी अहम भूमिका होती है। जन भागीदारी के बिना न तो कोई योजना सफल हो पाती है और न ही संकट के दौरान आवश्यक उपायों का व्यापक स्तर पर सार्थक परिणाम सामने आता है। सोने–चांदी की खरीद नागरिकों की मूलभूत जरूरतों से परे है और इसे कुछ समय के लिए सीमित कर देने से अगर विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कुछ कम हो जाए, तो यह एक सार्थक पहल साबित हो सकती है।

सरकार के इस कदम का एक पहलू यह भी है कि इससे सोने–चांदी की कालाबाजारी और तस्करी बढ़ने की आशंका है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर निगरानी और सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। जमीनी और तटीय घुसपैठ मार्गों, संगठित तंत्र और वितरण केंद्रों के रूप में काम करने वाले कारोबारियों पर नियमित नजर रखनी होगी। इससे संकट के समय गैर–जरूरी आयात में संतुलित कमी के जरिए समग्र आर्थिक स्थिरता और बाह्य क्षेत्र के विवेकपूर्ण प्रबंधन में महत्त्वपूर्ण मदद मिल सकती है।

इसके अलावा भारत के विदेशी मुद्रा संसाधनों के तहत तेल, उर्वरक, औद्योगिक कच्चे माल और रक्षा जरूरतों जैसे आवश्यक आयात को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने लोगों से ईंधन के गैर–जरूरी इस्तेमाल को कम करने का आग्रह भी किया था और बुधवार को उन्होंने खुद अपने काफिले में शामिल वाहनों की संख्या कम कर दी। इसके बाद कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी इसी तरह का कदम उठाया है। मगर इस बात का ध्यान रखने की जरूरत है कि सरकारी स्तर पर यह मुहिम सिर्फ घोषणाओं तक सीमित न रहे। जनता भी तभी इन उपायों को व्यापक रूप से आत्मसात करेगी, जब जनप्रतिनिधि भी इसका हिस्सा बनेंगे।

घटिया दवाओं का नाजायज कारोबार

पिछले दिनों सामने आई वह खबर विचलित कर गई कि दिल और रक्तचाप नियंत्रण की दवाइयों में गुणवत्ता की गिरावट पायी गई है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से मार्च माह के लिए जारी ड्रग अलर्ट में देश में बनी कई दवाइयों की क्वालिटी को लेकर सवाल उठे हैं। रिपोर्ट डराती है कि कुल 141 दवाओं के नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं। इनमें शुगर, हार्ट, उच्च रक्तचाप, मिर्गी जैसे गंभीर रोगों का उपचार करने वाली दवाइयां भी शामिल हैं। इनमें इंजेक्शन व कफ सिरप भी शामिल हैं। कमोबेश यही स्थिति विटामिन व आयरन की गोलियों की भी रही। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक–दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। इतना ही नहीं, टूथपेस्ट, मेहंदी व साबुन के नमूने तक फेल हुए हैं। कह सकते हैं कि दवा के नाम पर दर्द देने का कारोबार देश के विभिन्न भागों में खूब फल–फूल रहा है, जो नियामक एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठाता है। कह सकते हैं कि यह अब सिर्फ स्वास्थ्य का ही मुद्दा नहीं रहा, यह जिंदगियों से खिलवाड़ के साथ देश की अर्थव्यवस्था को भी चोट पहुंचाता है।

निस्संदेह, घटिया दवाओं से किसी का बीमार होना एक व्यक्ति या परिवार की ही त्रासदी नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कोई व्यक्ति सेहत सुधारने के लिए महंगी दवा का सेवन करे और उपचार के बाद और बीमार हो जाए। ये मरीज के विश्वास के साथ भी छल जैसा है। यह देश में सक्रिय खतरनाक तंत्र की ओर भी इशारा है जो पूरे देश में नकली व घटिया दवाओं के उत्पादन व आपूर्ति से जुड़ा है। वे चिकित्सक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते जो ऐसी संदिग्ध दवाइयां मरीजों के उपचार के लिए लिखते हैं, जिनकी गुणवत्ता को लेकर शंका रहती है। कोरोना काल में हमने देखा था कि चंद रुपयों के लालच में घातक बीमारियों से ग्रस्त लोगों को नकली रेमडेसिविर के इंजेक्शन बेचे गए। कितना शर्मनाक है कि जानलेवा कैंसर की दवाइयों में घटिया व सस्ती एंटी–फंगल दवा मिलाकर बेची जा रही थी। गुरुग्राम में पिछले दिनों वजन घटाने वाले नकली इंजेक्शनों की बड़ी खेप बरामदगी हुई। देश में घातक दवाओं को बेचने वाला एक तंत्र सुनियोजित तरीके से काम कर रहा है। कोई मरे या जीए, उनकी बला से। उन्हें तो अपने मुनाफे से मतलब है। दरअसल, यह संकट एक राज्य का नहीं, पूरे देश के सामने मौजूद है। नियामक एजेंसियों की लापरवाही, कड़े कानूनों का अभाव व दोषियों को समय पर कड़ी सजा न मिलना इस अमानवीय धंधे के फलने–फूलने की वजह बन रहा है। इस पर प्रभावी अंकुश आवश्यक है।

दिल्ली दरबार पर भारी पड़ा जमीनी नेता

–अजय कुमार–

केरल की राजनीति में इस बार सिर्फ सरकार नहीं बदली, कांग्रेस की अंदरूनी ताकत का नक्शा भी बदल गया। दस वर्षों बाद सत्ता में लौटी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार ने जब वीडी सतीशन को मुख्यमंत्री चुना तो यह फैसला केवल एक व्यक्ति को कुर्सी सौंपने का नहीं था, बल्कि कांग्रेस के भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करने वाला कदम बन गया। चुनाव नतीजे आने के बाद लगभग दस दिनों तक दिल्ली से तिरुवनंतपुरम तक जिस तरह की खींचतान चली, उसने साफ कर दिया था कि यह लड़ाई सिर्फ मुख्यमंत्री पद की नहीं, बल्कि कांग्रेस में 'दिल्ली मॉडल बनाम जमीनी मॉडल' की थी। आखिरकार पार्टी ने संगठन महासचिव और राहुल गांधी के सबसे करीबी नेताओं में गिने जाने वाले केसी वेणुगोपाल के बजाय उस नेता पर भरोसा जताया, जिसने पांच वर्षों तक विपक्ष में रहकर कांग्रेस को दोबारा खड़ा किया। 2026 के विधानसभा चुनाव में 140 सदस्यीय विधानसभा में यूडीएफ ने 102 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। कांग्रेस ने अकेले 63 सीटें हासिल कीं, जबकि उसकी सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने 22 सीटें जीतीं। एलडीएफ गठबंधन 35 सीटों पर सिमट गया। 2021 में कांग्रेस नीत यूडीएफ को सिर्फ 41 सीटें मिली थीं और एलडीएफ 99 सीटों के साथ सत्ता में लौटा था। यानी पांच वर्षों में कांग्रेस ने 22 सीटों की सीधी बढ़त दर्ज की, जबकि वाम मोर्चा 64 सीटें खो बैठा। यही आंकड़े बताते हैं कि यह जीत किसी सामान्य सत्ता विरोधी लहर का परिणाम नहीं थी, बल्कि विपक्ष के नेता के रूप में वीडी सतीशन की बनाई राजनीतिक रणनीति का असर थी।

दरअसल, 2021 की हार कांग्रेस के लिए केवल चुनावी पराजय नहीं थी, बल्कि संगठनात्मक संकट भी थी। पार्टी के भीतर वर्षों से चल रही 'ए ग्रुप' और 'आई ग्रुप' की राजनीति ने कार्यकर्ताओं को थका दिया था। ओमन चांडी और के. करुणाकरण के दौर से चली आ रही गुटबाजी ने कांग्रेस को जनता से दूर कर दिया था। ऐसे समय में राहुल गांधी ने रमेश चेन्निथला की जगह वीडी सतीशन को विपक्ष का नेता बनाया। उस समय यह फैसला जोखिम भरा माना गया, क्योंकि सतीशन के पास न दिल्ली की लॉबी थी और न ही संगठन पर वैसी पकड़, जैसी केसी वेणुगोपाल के पास मानी जाती थी। लेकिन पांच साल बाद वही फैसला कांग्रेस के पुनर्जीवन की सबसे बड़ी वजह बन गया। सतीशन ने विपक्ष का नेता बनने के बाद सबसे पहले कांग्रेस की चुनावी राजनीति की शैली बदली। उन्होंने साफ कहा कि टिकट वितरण में गुटीय वफादारी नहीं, बल्कि जीतने की क्षमता देखी जाएगी। इसका असर स्थानीय निकाय चुनावों में दिखाई दिया। दिसंबर 2025 में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में यूडीएफ ने 941 पंचायतों में से 505 पर जीत हासिल की। 87 नगरपालिकाओं में से 54 यूडीएफ के खाते में गईं। 14 जिला पंचायतों में से 7 पर कब्जा हुआ, जबकि 6 में से 4 नगर निगमों में कांग्रेस गठबंधन को सफलता मिली। इन नतीजों ने पहली बार यह संकेत दिया कि एलडीएफ की पकड़ कमजोर हो रही है और कांग्रेस सत्ता में वापसी कर सकती है।

सतीशन की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत उनकी 'डेटा आधारित राजनीति' रही। विधानसभा में उन्होंने सिर्फ राजनीतिक आरोप नहीं लगाए, बल्कि सरकारी आंकड़ों के जरिए पिनाराई विजयन सरकार को घेरा। केरल में बेरोजगारी दर, राज्य का बढ़ता कर्ज, सरकारी संस्थानों में भ्रष्टाचार और युवाओं के पलायन जैसे मुद्दों को उन्होंने लगातार उठाया। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार, 2025 में केरल की शहरी बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत के करीब पहुंच गई थी, जबकि युवाओं में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत से अधिक था। पिछले पांच वर्षों में लगभग 18 लाख युवा रोजगार और शिक्षा के लिए राज्य से बाहर गए। सतीशन ने इन आंकड़ों को लगातार राजनीतिक मुद्दा बनाया और कांग्रेस को 'भविष्य की अर्थव्यवस्था' की भाषा बोलने वाली पार्टी के रूप में पेश किया। केरल की सामाजिक संरचना को समझे बिना इस फैसले को समझना मुश्किल है। राज्य की राजनीति में नायर, ईसाई और मुस्लिम समुदाय निर्णायक भूमिका निभाते हैं। वीडी सतीशन और केसी वेणुगोपाल दोनों नायर समुदाय से आते हैं, जिसकी आबादी राज्य में लगभग 14 से 15 प्रतिशत मानी जाती है। लेकिन फर्क यह रहा कि सतीशन लगातार नायर बहुल परवूर सीट से पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। 2001, 2006, 2011, 2016 और 2021 में उन्होंने लगातार जीत दर्ज की। इससे उनकी जमीनी पकड़ मजबूत मानी जाती है। दूसरी ओर, वेणुगोपाल लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय रहे और राज्य की सक्रिय राजनीति से उनकी दूरी बढ़ती गई।

कांग्रेस के लिए सबसे अहम बात यह थी कि सतीशन को अल्पसंख्यक समुदायों का भी व्यापक समर्थन हासिल था। केरल की लगभग 26 प्रतिशत आबादी मुस्लिम और करीब 18 प्रतिशत ईसाई है। यूडीएफ की सबसे बड़ी सहयोगी आईयूएमएल शुरू से सतीशन के पक्ष में थी। मुस्लिम लीग को यह आशंका थी कि अगर दिल्ली से कोई नेता मुख्यमंत्री बनकर आता है तो गठबंधन के भीतर संतुलन बिगड़ सकता है। चर्च समूहों के बीच भी सतीशन की छवि एक ऐसे नेता की रही, जो वैचारिक रूप से उदार हैं लेकिन धार्मिक तुष्टिकरण की खुली राजनीति नहीं करते। यही वजह रही कि कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें 'सर्वस्वीकार्य चेहरा' माना। केसी वेणुगोपाल की दावेदारी के सामने सबसे बड़ा संकट उनकी राजनीतिक स्थिति थी। वे लोकसभा सांसद हैं और पार्टी महासचिव भी। अगर उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाता तो पहले संसद सदस्यता छोड़नी पड़ती। इसके बाद किसी विधायक की सीट खाली कराकर उन्हें छह महीने के भीतर विधानसभा पहुंचाना पड़ता। यानी एक लोकसभा और एक विधानसभा उपचुनाव का अतिरिक्त जोखिम पैदा होता। कांग्रेस पहले ही जानती थी कि सत्ता में आने के बाद शुरुआती महीनों में किसी भी तरह की राजनीतिक अस्थिरता का संदेश नुकसानदेह साबित हो सकता है। यही कारण है कि अंतिम समय में हाईकमान ने 'कम जोखिम वाले विकल्प' पर भरोसा जताया।

इस फैसले का राष्ट्रीय राजनीतिक संदेश भी बड़ा है। कांग्रेस लंबे समय से इस आलोचना का सामना करती रही है कि पार्टी में फैसले सिर्फ दिल्ली दरबार के आधार पर होते हैं। लेकिन केरल में पार्टी ने पहली बार साफ संकेत दिया कि अब चुनाव जिताने वाले क्षेत्रीय नेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सतीशन की ताजपोशी कांग्रेस के भीतर पीढ़ीगत बदलाव का भी प्रतीक मानी जा रही है। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल प्रमुख चेहरों केसी वेणुगोपाल, रमेश चेन्निथला और वीडी सतीशन में सतीशन को अपेक्षाकृत युवा और नई पीढ़ी के नेता के तौर पर देखा गया। उनका पूरा राजनीतिक अभियान 'नई कांग्रेस' की अवधारणा पर आधारित था। भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकना भी इस फैसले के पीछे एक बड़ा कारण रहा। पिछले कुछ वर्षों में भाजपा ने केरल में हिंदू वोटों, खासकर नायर समुदाय के बीच अपनी पैठ बढ़ाने की कोशिश की। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत 16 प्रतिशत के करीब पहुंच गया था। कांग्रेस समझती थी कि उसे ऐसा चेहरा चाहिए, जो हिंदू समाज में स्वीकार्य हो लेकिन अल्पसंख्यकों के बीच भी भरोसेमंद बना रहे। सतीशन इस राजनीतिक संतुलन में फिट बैठते हैं। उनकी छवि आक्रामक सांप्रदायिक राजनीति से दूर लेकिन सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई मानी जाती है। अब सबसे बड़ी चुनौती वादों को जमीन पर उतारने की होगी। केरल इस समय लगभग 4 लाख करोड़ रुपये के कर्ज के बोझ से जूझ रहा है। राज्य में निजी निवेश की रफ्तार धीमी है और युवाओं का पलायन लगातार बढ़ रहा है। सतीशन ने चुनाव के दौरान 'ग्लोबल जॉब नेटवर्क', शिक्षा सुधार और स्टार्टअप अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का वादा किया था। अगर वे इन मोर्चों पर ठोस परिणाम देते हैं तो कांग्रेस सिर्फ केरल में ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी एक नया राजनीतिक मॉडल पेश कर सकती है। वीडी सतीशन की जीत ने यह साफ कर दिया है कि कांग्रेस अब केवल हाईकमान आधारित राजनीति के भरोसे नहीं चलना चाहती। केरल में पार्टी ने पहली बार यह स्वीकार किया है कि जनता और कार्यकर्ताओं के बीच स्वीकार्यता रखने वाला नेता ही सबसे बड़ा राजनीतिक निवेश होता है। यही कारण है कि इस बार दिल्ली की ताकत पर जमीन की हकीकत भारी पड़ गई।

सनातन पर हमले की राजनीति

–संजय सक्सेना–

12 मई 2026 को तमिलनाडु विधानसभा में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने करोड़ों सनातनियों की भावनाओं को गहरी ठेस पहुँचाई। डीएमके नेता और नवनिर्वाचित नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने विधानसभा में नये मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के सामने खड़े होकर यह कहा कि सनातन धर्म लोगों को बांटने का काम करता है, इसलिए इसे जड़ से मिटा देना चाहिए। यह बयान किसी साधारण मंच पर नहीं, बल्कि एक संवैधानिक सदन में दिया गया, जो इसकी गंभीरता को और अधिक बढ़ा देता है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में यह उनका पहला आधिकारिक भाषण था, जिसमें उन्होंने द्रविड़ विचारधारा को सदन में मजबूती से रखने के उद्देश्य से यह तीखा रुख अपनाया। वहीं नये–नवेले मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने उदयनिधि के बयान पर ठंडा रुख अख्तियार करके साबित कर दिया कि उन्हें उदयनिधि की सोच से कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह पहली बार नहीं है जब उदयनिधि ने ऐसा जहर उगला हो। सितंबर 2023 में उन्होंने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया और कोरोना जैसी बीमारियों की संज्ञा देते हुए कहा था कि जिस तरह इन बीमारियों को खत्म करना जरूरी है, उसी तरह सनातन धर्म को भी समूल नष्ट कर देना चाहिए। उस बयान के बाद देशभर में भारी विरोध हुआ और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचा। सुप्रीम कोर्ट और मद्रास हाईकोर्ट ने उनके बयान पर कड़ी टिप्पणी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एक मंत्री होने के नाते उन्हें अपने शब्दों की जिम्मेदारी समझनी चाहिए। लेकिन इन सबके बावजूद उदयनिधि न केवल बेखौफ रहे, बल्कि डीएमके सरकार ने पुराने बयान पर कोई कार्रवाई करने की बजाय उन्हें प्रमोशन देकर डिप्टी सीएम बना दिया था। और अब, विधानसभा चुनाव में करारी हार झेलने के बाद भी उनकी अकड़ ढीली नहीं हुई और उन्होंने वही बयान दोहरा दिया।

खैर, तमिलनाडु की राजनीति में सनातन धर्म के प्रति यह विरोध किसी अचानक उभरी प्रवृत्ति का नाम नहीं है। उदयनिधि स्टालिन का यह भी कहना है कि तमिलनाडु में पिछले 100 सालों से सनातन धर्म के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं और वे अगले 200 सालों तक भी इसके खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। यह बयान द्रविड़ आंदोलन की उस विचारधारा की जड़ों से जुड़ा है जिसकी नींव पेरियार और अन्नादुरई जैसे नेताओं ने रखी थी। तमिलनाडु में जिस तरह की राजनीति का बोलबाला है, उसमें हिंदू धर्म की आलोचना को प्रगतिशील राजनीति का प्रतीक माना जाता है। एक वरिष्ठ मंत्री बहुसंख्यक धर्म के खिलाफ इतना अपमानजनक बयान दे और फिर भी बिना किसी राजनीतिक नुकसान के कुर्सी पर बना रहे, यही तमिलनाडु की राजनीतिक संस्कृति की वास्तविकता है। हालाँकि हाल के विधानसभा चुनाव में डीएमके को भारी हार का सामना करना पड़ा, जो यह दर्शाता है कि तमिलनाडु की जनता का एक बड़ा वर्ग अब इस राजनीति से ऊब चुका है। नई सरकार थलपति विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम के नेतृत्व में बनी है, जो इस बात का संकेत है कि प्रदेश में सनातन विरोध की राजनीति को जनता ने अस्वीकार करना शुरू किया है। फिर भी, डीएमके का वही रवैया बरकरार है जो दशकों से चला आ रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि सनातन धर्म के विरुद्ध यह राजनीतिक अभियान केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का आरोप है कि कांग्रेस, टीएमसी, राजद, सपा और डीएमके का एक ही प्लान है सनातन हिंदू का अपमान और वोट बैंक की दुकान। यह आरोप हवाई नहीं है, क्योंकि इन दलों के नेताओं के बयानों की एक लंबी फेहरिस्त है। समाजवादी पार्टी के सांसद अफजल अंसारी ने महाकुंभ 2025 को लेकर व्यंग्य करते हुए कहा था कि अगर कुंभ स्नान से सच में पाप धुलते हैं तो नरक तो खाली हो जाएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी महाकुंभ को लेकर विवादित बयान देते हुए सनातन धर्म की मान्यताओं पर कटाक्ष किया और यहाँ तक कह दिया कि महाकुंभ जैसी कोई चीज है ही नहीं।

तेलंगाना के कांग्रेस मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करते हुए हिंदू देवताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो लोग दो शादी करते हैं उनके लिए अलग भगवान हैं और जो शराब पीते हैं उनके लिए अलग भगवान हैं। कमल हासन ने भी राज्यसभा सांसद बनने के बाद एक कार्यक्रम में दावा किया कि शिक्षा ही वह एकमात्र हथियार है जो तानाशाही और सनातन धर्म की जंजीरों को तोड़ सकती है। राजद की राजनीति भी इस मामले में कम आक्रामक नहीं रही। मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए लालू प्रसाद यादव ने सनातन विरोधी राजनीति को अपने दल की पहचान बनाया और आडवाणी को जेल में डालने जैसे कदम उठाए। इन तीनों दलों की रणनीति स्पष्ट है कि मुस्लिम और दलित वोट बैंक को एकजुट करने के लिए सनातन धर्म को निशाना बनाओ, उसे जाति–आधारित उत्पीड़न का प्रतीक बताओ और प्रगतिशील राजनीति का चेहरा पेश करो। इस पर अधिकांश विपक्षी दलों ने रचनात्मक विकल्प देने की बजाय हिंदू द्वेष को ही अपनी रणनीति का केंद्र बना लिया। उनकी चुनावी राजनीति इस धारणा पर टिकी है कि सनातन धर्म का विरोध कर वे अपने अल्पसंख्यक वोट बैंक को मजबूत बना सकते हैं। इस रणनीति का मकसद हिंदू धर्म को बदनाम करना और उससे जुड़े मुद्दों को अविश्वसनीय ठहराना है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब किसी अन्य धर्म के बारे में ऐसा बयान दिया जाए तो देश में भूचाल आ जाता है, लेकिन सनातन धर्म के विरुद्ध खुलेआम उन्मूलन की बात करने पर कानूनी शिकंजा क्यों नहीं कसता? भारतीय दंड संहिता की धारा 295–ए धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर आहत करने को दंडनीय अपराध मानती है। इसके अलावा धारा 153–ए धर्म, जाति, भाषा के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच शत्रुता बढ़ाने पर दो साल तक की सजा का प्रावधान करती है। लेकिन इन धाराओं का प्रयोग सनातन के अपमानकर्ताओं के खिलाफ शायद ही कभी प्रभावी ढंग से हो पाता है। बता दें, भारतीय संविधान देश को एक पंथनिरपेक्ष लोकतंत्र घोषित करता है और विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। लेकिन यही पंथनिरपेक्षता एकतरफा होकर रह जाती है, जब एक धर्म विशेष को निशाना बनाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और दूसरे धर्म की आलोचना सांप्रदायिक मान ली जाती है। समस्या यह है कि धर्म के विरुद्ध घृणा और जातिगत व्यवस्था की आलोचना के बीच की रेखा को अदालतें बहुत ढीले ढंग से व्याख्यायित करती हैं। इसी कारण राजनेता सनातन को सीधे निशाने पर लेकर भी कानूनी पकड़ से बाहर निकल जाते हैं।

पुरुष पीड़ा का मौन प्रतिवाद

–डा. सुधीर कुमार–

न्यायप्रिय समाज वही है जहां न्याय 'लिंग' नहीं, 'पीड़ा' देखकर हो। पुरुष समझें कि उनके आंसू और मानसिक सुकून भी उतने ही कीमती हैंय उनका मन भी कांच जैसा संवेदनशील हो सकता है।

जीवन हारने के लिए नहीं, बल्कि हक के लिए लड़ने के लिए है। हमारे समाज में 'मर्दानगी' की खोखली परिभाषा और 'मर्दों को दर्द नहीं होता' जैसे संवादों ने पुरुषों के चारों ओर चुप्पी की एक ऐसी दीवार खड़ी कर दी है, जहां उनका मानसिक संताप सिसकियों में भी नहीं बदल पाता। अक्सर वैवाहिक प्रताड़ना और 'लोकलाज' के डर से पुरुष खामोशी या आत्मघाती कदम चुन लेता है। आज समय की मांग है कि हम पुरुष मानसिक उत्पीड़न को केवल एक निजी व्यथा न मानकर, इसे एक गंभीर कानूनी और मनोवैज्ञानिक संकट के रूप में स्वीकार करें।

युवा जज अमन शर्मा की आत्महत्या ने न्याय व्यवस्था और सामाजिक ढांचे पर गहरा प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जो यह सिद्ध करता है कि पद और प्रतिष्ठा मानसिक प्रताड़ना के आगे बौने हैं। जब दूसरों को न्याय दिलाने वाला कानून का ज्ञाता स्वयं को इतना असुरक्षित और असहाय पाकर मौत को गले लगा लेता है, तो यह हमारे तंत्र की गंभीर विफलता को दर्शाता है। विशेषकर 'लव मैरिज' जैसे रिश्तों में पुरुष अक्सर उस दोहरे नैतिक दबाव और 'अपनों के खिलाफ चुनाव' के बोझ तले दब जाता है, जहां प्रताड़ना सहते हुए भी उसे घर वापसी के रास्ते बंद नजर आते हैं। यह प्रकरण एक भयावह चेतावनी है कि मानसिक यंत्रणा चरम पर होने पर ज्ञान और पद पीछे छूट जाते हैं, इसलिए अब समय आ गया है कि कानून को 'जेंडर' के बजाय 'पीड़ा' के चश्मे से देखा जाए। वर्तमान में सामाजिक और कानूनी ढांचे में जहां महिलाओं के लिए कठोर सुरक्षा तंत्र मौजूद है, वहीं पीड़ित पुरुषों के प्रति अक्सर उदासीनता देखी जाती है। विशेष रूप से धारा 498ए के दुरुपयोग को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सुशील कुमार शर्मा बनाम भारत संघ (2005) के

मामले में 'कानूनी आतंकवाद' की संज्ञा दी है। इसका मुख्य कारण यह है कि पतियों के पास पत्नी द्वारा की गई शारीरिक हिंसा या घर से निकाले जाने की स्थिति में वैसी त्वरित वैधानिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं है।

इसके बावजूद, बदलती न्यायिक चेतना अब 'मानसिक क्रूरता' के आधार पर पुरुषों को राहत प्रदान कर रही है। हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(आईए) के तहत निरंतर अपमान और प्रताड़ना को तलाक का वैध आधार माना गया है, जबकि धारा 10 के अंतर्गत 'न्यायिक पृथक्करण' मानसिक शांति के लिए एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि झूठे मुकदमों और ब्लैकमेलिंग के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 182 एक सुरक्षा कवच का कार्य करती है, जिससे पुरुष कानूनी बारीकियों का उपयोग कर अपनी गरिमा और अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं।

भारतीय न्यायपालिका ने अपने विभिन्न निर्णयों, विशेषकर नवीन कोहली बनाम नीलू कोहली (2006)और समर घोष बनाम जया घोष (2007) के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि कानून का उद्देश्य केवल किताबी प्रक्रिया नहीं, बल्कि व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य और गरिमा की रक्षा करना भी है। इन ऐतिहासिक फैसलों ने 'मानसिक क्रूरता' के दायरे को विस्तार देते हुए माना कि यदि वैवाहिक रिश्ता पूरी तरह टूट चुका हो और पति पर वृद्ध माता–पिता को छोड़ने का दबाव बनाना या उसे संतान के सुख से वंचित करना जैसी असहनीय स्थितियां उत्पन्न हों, तो उसे इस बोझिल बंधन से मुक्त होने का पूरा अधिकार है। यह न्यायिक दृष्टिकोण रेखांकित करता है कि न्याय के तराजू में संवेदनशीलता और यथार्थवाद का संतुलन अनिवार्य है, जहां व्यक्ति की मानसिक शांति को वैधानिक औपचारिकताओं से ऊपर स्थान दिया गया है।

डीएम ने किया रक्तदान

संवाददाता–बलरामपुर। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्त की गंभीर कमी सामने आने के बाद जिलाधिकारी विपिन जैन ने स्वयं रक्तदान किया। उन्होंने समाज को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। बुधवार तक ब्लड बैंक में मात्र 28 यूनिट रक्त शेष होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद गुरुवार को डीएम अचानक ब्लड बैंक पहुंचे। वहां की स्थिति देखकर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजकुमार वर्मा से नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रक्त की कमी केवल प्रशासनिक चिंता का विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन बचाने से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर मुद्दा है। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा, ष्रक्तदान महादान है। किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने से बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता। इस दौरान, जिलाधिकारी ने एसएसबी कमांडेंट से भी बात की और उन्हें एसएसबी मुख्यालय में जल्द ही रक्तदान शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के नौतनवा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज, पहुंचे डीएम–एसपी

संवाददाता–महराजगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को नौतनवा में आएंगे। वे नौतनवा विधायक ऋषि त्रिपाठी के गृह प्रवेश कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। उनके प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। सुरक्षा के मद्देनजर गुरुवार को जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल एवं एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने हेलीपैड स्थल एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से निरीक्षण किया। अधीनस्थों को सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। नेपाल सीमा से महज कुछ ही दूरी पर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा एजेंसियां भी चौकन्ना हो गई हैं। पगडंडी रास्तों से आवागमन करने वालों की गहनता से जांच–पड़ताल शुरू कर दी गई है।

सोनौली सीमा पर भी सुरक्षा एजेंसियों ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। डीएम एवं एसपी ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिया। पुलिस फोर्स की तैनाती सुनिश्चित की जा रही है। निरीक्षण के दौरान डीएम एवं एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, बैरिकेडिंग, वीआईपी मूवमेंट, जनसुविधाओं एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया।

बारात से लौट रहे दो युवकों की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

संवाददाता–महराजगंज।। कोल्हुई थाना क्षेत्र में गुरुवार की भोर में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद कोहराम मच गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कार्रवाई में जुट गई है। सोनौली नगर पंचायत के तिलहवा निवासी राजेश साहनी व सोनौली के ही खजुरिया निवासी रोहित साहनी बाइक से सिद्धार्थनगर के उस्का थाना क्षेत्र में गई बारात से वापस लौट रहे थे। वापस लौटते समय उनकी बाइक बृजमनगंज–कोल्हुई मार्ग पर लालपुर गांव के पास सड़क किनारे खड़े वाहन से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर तड़पने लगे। आसपास मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक दोनों दम तोड़ चुके थे। अस्पताल मे जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन भी थाने पहुंच गए। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। अपने–अपने परिवार के कमाऊ सदस्य थे दोनों। हादसे के शिकार दोनों युवक अपने–अपने परिवार के कमाऊ सदस्य थे। इस हादसे में इनकी मौत से इनका परिवार बिखर गया है। कोल्हुई पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, घटना के बाद मौके से चालक वाहन लेकर फरार हो गया है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और रोड किनारे खड़े वाहनों को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

सीईआईआर पोर्टल से पुलिस ने तीस लाख के 101 मोबाइल ढूंढ सौंपा

संवाददाता–महराजगंज। सीईआईआर पोर्टल व सर्विलांस सेल की मदद से जिले की पुलिस ने 101 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को वापस सौंप दिया। इन स्मार्टफोनों की कीमत तीस लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस कार्यालय में गुरुवार को डीएम गौरव सिंह सोगरवाल के साथ एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने ढूंढे गए मोबाइल फोन को उनके स्वामियों को सौंपा। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस पर लोगों ने पुलिस व सर्विलांस टीम का आभार जताया। पुलिस कार्यालय के मीडिया सेल के अनुसार एसपी शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान में सर्विलांस टीम ने आईएमईआई नंबर आधारित ट्रैकिंग, तकनीकी विश्लेषण व आधुनिक टूल्स का इस्तेमाल कर मोबाइल फोनों का पता लगाया। बरामद किए गए मोबाइल फोन को सौंपते हुए एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने कहा कि जनता की छोटी से छोटी समस्या का त्वरित समाधान करना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि मोबाइल चोरी या गुम होने की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाने या सर्विलांस सेल में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से त्वरित कार्रवाई की जा सके। पुलिस के अनुसार कई मोबाइल भीड़भाड़ वाले बाजारों, सब्जी मंडियों व साप्ताहिक बाजारों में गिर गए थे। कुछ मोबाइल यात्रा के दौरान ऑटो, टैक्सी और बसों में छूट गए। वहीं बाइक चलाते समय लोअर या पाजामे की जेब से मोबाइल गिरने, शादी समारोहों में नृत्य के दौरान मोबाइल खोने और सार्वजनिक स्थलों पर लापरवाही से छोड़ देने की घटनाएं भी सामने आईं। बरामदगी करने वाली सर्विलांस टीम में मुख्य आरक्षी आलोक पांडेय, राजकुमार राजभर, कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड–बी सुशील सिंह, शिवानंद पासवान, आरक्षी सूरज गुप्ता, नीरज कुमार गोंड आदि मौजूद रहे।

बीच–बचाव करने पहुंचे पूर्व प्रधान की पीट–पीटकर हत्या

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के सादुल्लानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत परसरामपुर गांव में गुरुवार सुबह हुई हिंसक वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। गांव में पहुंचे दर्जनों हमलावरों ने लाठी–डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर पूर्व प्रधान व भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष तेज बहादुर यादव उर्फ बब्बन यादव (57) की पीट–पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, इस घटना की शुरुआत 12 मई को एक शादी समारोह के दौरान हुई कहासुनी से जुड़ी बताई जा रही है। गांव निवासी जयकरन उर्फ पेटबली के बेटे की बारात रवाना हो रही थी, तभी उनके रिश्तेदारों और गांव के कुछ युवकों के बीच विवाद हो गया था। उस समय गांव के बुजुर्गों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया था और दोनों पक्षों में समझौता भी हो गया था।

ग्रामीणों का आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते गांव के कुछ लोगों ने बाहरी हमलावरों को बुलाया था। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे स्कॉर्पियो वाहनों से पहुंचे करीब दो दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने गांव में धावा बोल दिया। हमलावर लाठी–डंडे, लोहे की चेन और रॉड से लैस थे। गांव में अचानक हुए हमले से अफरा–तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर–उधर भागने लगे। इसी दौरान पूर्व प्रधान तेज बहादुर यादव मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराने की कोशिश करने लगे। आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें ही निशाना बना लिया और लोहे की रॉड व डंडों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से गोंडा रेफर कर दिया गया। बाद में लखनऊ ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। मृतक अपने पीछे पत्नी शीला देवी, पुत्र कल्पनाथ, सत्येंद्र नाथ, उपेंद्र नाथ, आलोक यादव और पुत्रियां रेनू, मीनू व दिव्यांशु को छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं ग्रामीणों में घटना को लेकर भारी आक्रोश है।

राप्ती नदी में नहाते समय दो बालक डूबे: एक का शव बरामद

संवाददाता–श्रावस्ती। राप्ती नदी गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे भैंस चराने गए दो बालक नहाते समय गहरे पानी में डूब गए। काफी तलाश के बाद एक किशोर का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे बालक की खोज जारी है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है। नवीन मॉडर्न थाना क्षेत्र के मलौना खसियारी गांव के बसंतपुरवा निवासी 17 वर्षीय विक्की उर्फ शिवांश और 12 वर्षीय विकास भैंस चराने के लिए राप्ती नदी किनारे मथुरा घाट पुल के पश्चिम श्रावस्ती–बलरामपुर सीमा क्षेत्र में गए थे। उस समय गांव के अन्य चरवाहे भी नदी किनारे मौजूद थे। दोपहर में तेज धूप होने के कारण सभी चरवाहे पेड़ की छांव में बैठ गए। इसी दौरान विक्की और विकास नहाने के लिए राप्ती नदी में उतर गए। नहाते–नहाते दोनों गहरे पानी में पहुंच गए और डूबने लगे। दोनों को डूबता देख अन्य चरवाहों ने शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और नदी में कूदकर दोनों की तलाश शुरू कर दी। सूचना मिलने पर नवीन मॉडर्न थाना प्रभारी निरीक्षक जय हरी मिश्रा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद 17 वर्षीय विक्की उर्फ शिवांश को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं 12 वर्षीय विकास की तलाश देर शाम तक जारी रही। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया।

पत्नी से हुई कहासुनी के बाद पहुंच गई थाने, पति ने घर में काट लिया अपना गला

संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के कस्बे में बुधवार की रात पारिवारिक विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। पत्नी से कहासुनी के बाद पति ने घर में रखे हंसिया से अपना ही गला काट लिया। घटना के बाद परिवार में अफरा–तफरी मच गई। गंभीर हालत में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परतावल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने जिला अस्पताल महराजगंज रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार श्यामदेउरवां गांव निवासी मोहन (45) का बुधवार की रात किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच काफी देर तक कहासुनी होती रही और मामला बढ़ते–बढ़ते झगड़े तक पहुंच गया। विवाद से नाराज पत्नी शिकायत करने के लिए थाने की ओर चली गई।

इसी बीच गुस्से और आवेश में आए मोहन ने घर में रखा हंसिया उठाकर अपना ही गला काट लिया। घटना के बाद वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। आसपास के लोगों और परिजनों में चीख–पुकार मच गई। सूचना मिलने पर श्यामदेउरवां पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मोहन के भाई सोहन तथा गांव के चौकीदार प्रहलाद की मदद से घायल को तत्काल सीएचसी परतावल भिजवाया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल महराजगंज रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि पारिवारिक विवाद में व्यक्ति द्वारा खुद को घायल करने की जानकारी मिली है। फिलहाल मामले में किसी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है।

प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी, भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन सपा सांसद के खिलाफ महिलाओं ने किया विरोध

संवाददाता–श्रावस्ती। समाजवादी पार्टी के एक सांसद द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया।

यह प्रदर्शन भाजपा जिलाध्यक्ष मिश्रीलाल वर्मा की उपस्थिति में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने समाजवादी पार्टी पर मर्यादा तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग देश की जनता का अपमान है।

भाजपा नेत्री माधुरी सिंह त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री को देश की जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से चुना है। ऐसे में उनके प्रति इस तरह की बयानबाजी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने मांग की कि समाजवादी पार्टी और संबंधित सांसद सार्वजनिक रूप से देश और जनता से माफी मांगें।

माधुरी सिंह त्रिपाठी ने आगे कहा, ष्मैं उन समाजवादी पार्टी के सांसद को कहना चाहती हूं, अगर औरंगजेब का शासन काल होता, तो उनकी जुबान खींच ली जाती। लेकिन यह हमारी भारतीय जनता पार्टी की संस्कारी सरकार है, कि वे सांसद अपनी स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के नाम पर कुछ भी बोल रहे हैं। हम महिलाओं को चेताना चाहते हैं कि वे सावधान हो जाएं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि महिलाओं के सम्मान, देश की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर चेतावनी दी कि भविष्य में भी इस तरह के बयानों का सशक्त और संगठित विरोध किया जाएगा। यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। हालांकि, महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं में नाराजगी और विरोध का भाव स्पष्ट रूप से देखा गया।

भाजपा महिला कार्यकर्ताओं का सपा नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–महराजगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर समाजवादी पार्टी (सपा) नेताओं द्वारा कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना–प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भाजपा की जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ।

धरने में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सपा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने की मांग की। मुख्यालय श्सांसद आजेंद्र लोधी शर्म करो, अखिलेश यादव शर्म करोश जैसे नारों से गूंज उठा। धरने को संबोधित करते हुए भाजपा की जिला उपाध्यक्ष डॉ. फरीदा ईरम ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री और संवैधानिक पदों पर बैठे नेताओं के खिलाफ इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी लगातार जनता के मुद्दों से भटककर केवल नकारात्मक राजनीति कर रही है। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुमित्रा भारती ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, ऐसे में उनके खिलाफ अपशब्द कहना देश की जनता का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज करा रहे हैं और भविष्य में भी पार्टी अपने शीर्ष नेतृत्व के सम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। धरने के दौरान भाजपा नेताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। इसमें दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में सार्वजनिक जीवन में शालीनता और मर्यादा बनाए रखने के लिए ऐसी बयानबाजी पर रोक लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया, जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह, जिला महामंत्री बबलू यादव, पूर्व जिला मंत्री गौतम तिवारी, नगर अध्यक्ष कमलेश जायसवाल, सरोज पांडेय, शुभ्रा सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

धारदार हथियार से घायल युवक की मौत परिजनों ने सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। खड्डा थाना क्षेत्र में मिट्टी लाने गए युवक अजीत यादव की इलाज के दौरान मौत के बाद गुरुवार को परिजनों और ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों लोगों ने शव को सड़क पर रखकर खड्डा–पडरौना मार्ग को लगभग दो घंटे तक जाम रखा। पुलिस और प्रशासन के आश्वासन के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए शव भेजने पर सहमत हुए। जानकारी के अनुसार, जिंदा छपरा निवासी अजीत यादव 9 मई की शाम अपने मामा छोटेलाल यादव के साथ ट्रैक्टर से भुजौली बुजुर्ग जमुनिया टोला में मिट्टी लेने गए थे। यह मिट्टी अजीत के भाई, जो भारतीय सेना में तैनात हैं, उनके निर्माणाधीन घर के लिए लाई जा रही थी। मिट्टी लेकर लौटते समय भुजौली और धनुजी गांव के बीच सड़क किनारे बैठे कुछ युवकों से रास्ता देने को लेकर विवाद हो गया। बताया गया कि कई बार हॉर्न बजाने के बावजूद युवक रास्ते से नहीं हटे, जिसके बाद कहासुनी शुरू हुई।

परिजनों का आरोप है कि सड़क किनारे बैठे युवक नशे में थे। विवाद बढ़ने पर उन्होंने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। कुछ ही देर में एक ऑटो से लगभग आठ लोग डंडे और धारदार हथियार लेकर मौके पर पहुंचे और अजीत यादव तथा उनके मामा छोटेलाल यादव पर हमला कर दिया। हमले में अजीत गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े, जबकि छोटेलाल यादव को भी चोटें आईं। ग्रामीणों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुर्कहा पहुंचाया गया। वहां से गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाद में अजीत की बिगड़ती हालत के कारण उन्हें मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेजा गया।

लगभग तीन दिन तक चले इलाज के बाद बुधवार, 13 मई की शाम अजीत यादव की मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में मौत हो गई। अजीत यादव तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। परिवार के अनुसार एक भाई भारतीय सेना में तैनात हैं, जबकि अजीत पिछले दो वर्षों से महराजगंज जिले के हेवाती इलाके में मेडिकल स्टोर चलाते थे। घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने मौके से तीन युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। पुलिस ने पूछताछ के बाद खदेरू पुत्र महंगू, छोटेलाल पुत्र महंगू और अब्बास अंसारी पुत्र आलमदीन निवासी भुजौली खुर्द, थाना खड्डा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। परिजनों का आरोप है कि इन्हीं लोगों ने धारदार हथियार से हमला किया था। गुरुवार सुबह करीब आठ बजे परिजन और ग्रामीण शव को सड़क पर रखकर धरने पर बैठ गए। सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पुलिस कार्रवाई और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। सूचना मिलने पर खड्डा थाना अध्यक्ष संदीप सिंह और क्षेत्राधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से वार्ता कर निष्पक्ष कार्रवाई और आगे की कानूनी प्रक्रिया का भरोसा दिलाया। करीब दो घंटे बाद परिजन माने और शव को पोस्टमार्टम के लिए गोरखपुर भेजने पर सहमत हुए।

51वीं जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता का आगाज: 10 जिलों की टीमें ले रहीं भाग

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा रिजर्व पुलिस लाइन के अमर शहीद राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी बहुउद्देशीय हॉल में आज गुरुवार को 51वीं अन्तर्जनपदीय जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता (2026) का शुभारंभ हुआ है। पुलिस विभाग में खेल भावना और शारीरिक दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता गोरखपुर जोन के 10 जिलों के पुलिस खिलाड़ियों को जूडो, वुशु, ताईक्वाण्डो, कराटे और पेंचक सिलाट जैसी विधाओं में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक गोंडा विनीत जायसवाल ने फीता काटकर किया।

इससे पूर्व नोडल अधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) अजीत कुमार रजक ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। प्रतियोगिता के पहले दिन जूडो के पुरुष और महिला वर्ग में कुल 15 मुकाबले हुए। मेजबान गोंडा के खिलाड़ियों ने कई स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पुरुष वर्ग में गोंडा के रजनीश शुक्ला (60 किग्रा), आयुष यादव (73 किग्रा), शैलेष मौर्य (100 किग्रा) और जगदीश यादव (100 किग्रा) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सिद्धार्थनगर के राजाराम यादव (73 किग्रा), बहराइच के राजा प्रताप (81 किग्रा) और कुशीनगर के इंद्रेश यादव (90 किग्रा) ने भी अपने–अपने वर्ग में जीत दर्ज की।महिला वर्ग में गोंडा की सिम्पल मौर्या (48 किग्रा), उपासना देवी (52 किग्रा), रचना (57 किग्रा) और अनीता चौरासिया (78 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। बलरामपुर की सुधा (63 किग्रा) और संतकबीरनगर की नरीना सिंह (70 किग्रा) ने भी अपने वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का संचालन उद्घोषक संगीता दीक्षित ने किया, जबकि शैलेष मौर्य ने रेफरी की भूमिका निभाई। इस अवसर पर गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, बस्ती सहित जोन के सभी जिलों के कोच और अधिकारी उपस्थित रहे। यह प्रतियोगिता अगले दो दिनों तक जारी रहेगी, जिसमें ताईक्वाण्डो और कराटे जैसे खेलों में भी मुकाबले होंगे। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए एसपी विनीत जायसवाल ने कहा कि खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि पुलिस कर्मियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम वर्क की भावना को भी प्रबल करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 50 मरीजों का निशुल्क इलाज

संवाददाता–महराजगंज। जनपद के महादेव दुबे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को एक निशुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन किया गया। दोपहर करीब 2रू00 बजे तक, डॉक्टर सी. पी. पांडे ने ग्रामीण क्षेत्रों से आए लगभग 50 मरीजों का निरूशुल्क इलाज किया। मरीजों की जांच के बाद उन्हें आवश्यक दवाएं भी मुफ्त वितरित की गईं।

शिविर में सर्दी, बुखार, कमजोरी, शरीर दर्द और अन्य सामान्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों का उपचार किया गया। डॉक्टर पांडे ने मरीजों को मौसम के अनुसार खानपान और साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी।

इलाज कराने पहुंचे ग्रामीणों ने निशुल्क जांच और दवा मिलने पर काफी राहत महसूस की। उन्होंने बताया कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हो रहे हैं।

स्वास्थ्य केंद्र में सुबह से ही मरीजों की भीड़ देखी गई। ग्रामीणों ने डॉक्टर सी. पी. पांडे और स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की मांग की है।

मंदिर में मूर्तियां तोड़े जाने से भड़के ग्रामीण, कई थानों की फोर्स तैनात

संवाददाता–देवरिया। जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र के कोन्हवलिया बाबू राय गांव में छोटी गंडक नदी किनारे स्थित काली माता मंदिर परिसर में बुधवार की रात अज्ञात अराजक तत्वों द्वारा नंदी व हनुमान जी की प्रतिमाएं क्षतिग्रस्त कर दिया गया। गुरुवार की सुबह इसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी, सीओ सदर समेत चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालात को नियंत्रित कर लोगो को समझा बुझाकर शांत कराया। ऐतिहात के तौर पर मन्दिर परिसर में फोर्स तैनात कर दी गई हैं.। कोन्हवलिया गांव के बाहर छोटी गंडक के तट पर स्थित सबवट काली माता मंदिर परिसर में प्राचीन शिव मंदिर भी बना हुआ है। मंदिर में नंदी और हनुमान जी की प्रतिमाएं स्थापित हैं। रोज की तरह मंदिर के पुजारी योगेंद्र सिंह बुधवार देर शाम पूजा–अर्चना के बाद मंदिर गेट का ताला बंद कर अपने घर चले गए। गुरुवार सुबह जब वह मंदिर खोलने पहुंचे तो प्रतिमाएं टूटी देख स्तब्ध रह गए। उसी दौरान पूजा के लिए पहुंचे ग्रामीणों ने भी घटना देखी और विरोध जताने लगे।ग्रामीणों ने इसकी सूचना ग्राम प्रधान रामख्याली प्रसाद को दी। देखते ही देखते गांव में खबर फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में जुट गए। स्थिति तनावपूर्ण होते देख सूचना पुलिस तक पहुंची। इसके बाद एडिशनल एसपी, सीओ सदर सतेंद्र कुमार राय के नेतृत्व में तरकुलवा, रामपुर कारखाना, बघौचघाट और महुआडीह थानों की पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा–बुझाकर शांत कराया तथा घटना की जांच शुरू कर दी. थाना प्रभारी भूपेंद्र सिंह ने बताया कि अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। नई प्रतिमाएं स्थापित कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है।

युवक को हाईवे से घसीटकर तालाब मे मां और बच्चों के सामने युवक को डुबो-डुबोकर मारा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक मामूली ओवरटेकिंग विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र के कटहना बनरही गांव निवासी रिजवान अपनी मां साफिया, तीन भतीजों और एक भतीजी के साथ आरटीगा कार से नौगढ़ जा रहे थे। परिवार गांव से निकला ही था कि धेन्सा नानकार गांव के पास एक ई–रिक्शा और उनकी कार के बीच ओवरटेक को लेकर विवाद हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रिजवान ने कार रोककर ई–रिक्शा चालक को समझाने की कोशिश की, लेकिन बात बढ़ गई और दोनों पक्षों में धक्का–मुक्की शुरू हो गई। कुछ ही मिनटों में आसपास के लोग जमा होने लगे। भीड़ बढ़ती गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि इसी दौरान कुछ दबंग युवक उग्र हो गए और मामला हिंसा में बदल गया।

पीड़ित परिवार के मुताबिक, भीड़ ने पहले ई–रिक्शा चालक के साथ मारपीट की, लेकिन बाद में रिजवान और उसकी कार को निशाना बना लिया। हमलावरों ने लाठी–डंडों से कार के शीशे, दरवाजे और बोनट तोड़ दिए। कार के अंदर बैठे छोटे बच्चे डर से चीखने लगे। रिजवान की मां साफिया लोगों से बेटे को छोड़ देने की गुहार लगाती रहीं, लेकिन किसी ने उनकी नहीं सुनी। वायरल वीडियो में भी साफ दिख रहा है कि बड़ी संख्या में लोग युवक को घेरकर मारपीट कर रहे हैं। कई लोगों के हाथ में लाठी–डंडे नजर आ रहे हैं, जबकि आसपास अफरा–तफरी का माहौल बना हुआ है। रिजवान का आरोप है कि करीब 50 लोगों ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना का सबसे खौफनाक हिस्सा तब सामने आया, जब भीड़ रिजवान को कार से बाहर खींचकर सड़क किनारे स्थित तालाब तक ले गई। परिवार का आरोप है कि हमलावर युवक को करीब 70 मीटर तक घसीटते हुए तालाब तक ले गए और वहां पानी में डुबो–डुबोकर पीटा। वायरल वीडियो में कुछ लोग रिजवान को तालाब के पानी में दबाए हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि बाहर खड़े अन्य लोग लाठी–डंडे लहराते नजर आ रहे हैं। रिजवान ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उसकी करीब साढ़े पांच तोले की सोने की चेन, घड़ी और मोबाइल फोन भी छीन लिया गया। परिवार के मुताबिक, रिजवान मुंबई में रहकर पढ़ाई करता है और इंटरमीडिएट का छात्र है। वह कुछ दिन पहले ही गांव आया था और परिवार के साथ नौगढ़ जा रहा था।

घटना के बाद इलाके में काफी देर तक तनाव और दहशत का माहौल बना रहा। हाईवे पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने बताया कि वायरल वीडियो और पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल पुलिस वीडियो में दिख रहे लोगों की पहचान करने में जुटी है। वहीं घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर दिनदहाड़े हाईवे पर इतनी बड़ी भीड़ किसी युवक को बेरहमी से पीटती रही और कोई उसे बचाने नहीं आया।

सपा सांसद के विवादित बयान पर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए कथित विवादित बयान के विरोध में गुरुवार को भाजपा महिला मोर्चा ने प्रदर्शन किया। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अरुण मिश्रा के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना–प्रदर्शन करते हुए सपा और उसके सांसद के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर ष्प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तानष् जैसे नारों से गूंज उठा।

प्रदर्शनकारी महिला कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर सपा सांसद से सार्वजनिक माफी की मांग की। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री पद की गरिमा और सम्मान है, और किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा अमर्यादित भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। महिला मोर्चा ने चेतावनी दी कि यदि सांसद ने माफी नहीं मांगी तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अरुण मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री देश की 140 करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करना पूरे देश का अपमान है। उन्होंने जोर दिया कि राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी और अभद्र भाषा स्वीकार्य नहीं है। मिश्रा ने आरोप लगाया कि सपा नेताओं की भाषा का स्तर लगातार गिर रहा है।नगर अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने इस बयान को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं में इस टिप्पणी को लेकर भारी आक्रोश है और भाजपा कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध कर रहे हैं। अग्रवाल ने सपा नेताओं से जनता की भावनाओं का सम्मान करने और सांसद से तत्काल सार्वजनिक माफी मांगने की अपील की। भाजपा पदाधिकारियों ने इसे प्रधानमंत्री पद की गरिमा के खिलाफ बताते हुए कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के प्रति मर्यादित भाषा का प्रयोग होना चाहिए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए इस तरह के विवादित बयान देना समाजवादी पार्टी की हताशा को दर्शाता है।

धरना–प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और महिला मोर्चा की पदाधिकारी मौजूद रहीं।इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महिला मोर्चा मोनी पांडे, क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य सरोज शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख रेनू मिश्रा, महिला मोर्चा महामंत्री संध्या पांडे, अनुपमा सिंह दुबे, नगर अध्यक्ष शोहरतगढ़ उमा अग्रवाल, अर्चना श्रीवास्तव, अनिता मिश्रा, ममता यादव सहित सैकड़ों महिलाओं की उपस्थिति रही।

सुसाइड नोट लिखकर बीटेक के छात्र ने हॉस्टल में दी जान

संवाददाता–गोरखपुर। इंदिरानगर स्थित एक ब्वॉयज हास्टल में बीटेक के छात्र ने गुरुवार को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कमरे में मिले सुसाइड नोट में छात्र ने खुद को अच्छा बेटा और अच्छा छात्र न बन पाने की बात लिखी है। घटना के बाद हास्टल में सनसनी फैल गई। गोरखपुर विश्वविद्यालय में पढ़ने वाला छात्र अलीगढ़ जिले का रहने वाला था। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि छात्र की पहचान अलीगढ़ जिले के खैर बायपास रोड निवासी 23 वर्षीय घनेंद्र चौधरी के रूप में हुई है। वह गोरखपुर विश्वविद्यालय में बीटेक थर्ड ईयर का छात्र था और इंदिरानगर स्थित महादेव ब्वॉयज हास्टल में रहकर पढ़ाई करता था। हास्टल वार्डन ने गुरुवार दोपहर करीब 12रू30 बजे रामगढ़ताल थाना पुलिस को सूचना दी कि एक छात्र ने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खुलवाने पर धर्मेंद्र का शव पंखे से लटका मिला। हास्टल के छात्रों और वार्डन के मुताबिक, धर्मेंद्र बुधवार शाम हास्टल लौटा था। इसके बाद वह सीधे अपने कमरे में चला गया। गुरुवार सुबह तक जब वह बाहर नहीं निकला तो वार्डन को शक हुआ। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस को कमरे से एक पन्ने का सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें घनेंद्र ने लिखा है श्न मैं अच्छा बेटा बन सका, न ही अच्छा छात्र बन सका। मम्मी–पापा मुझे माफ करना। मैं आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। अगले जन्म में फिर आउंगा, तब आपके सपने जरूर पूरे करूंगा।श

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– D 202517630001941
धारा 30 (1) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय न्यायिक सिद्वार्थनगर, जिला–सिद्वार्थनगर

अमरनाथ
बनाम
सरकार आदि

बावत मौजा परोई तप्पा हाटा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
1. बालेश्वर 2. राजेश्वर पुत्रगण पदुमकान्त 3. वालकृष्ण 4. वाल गोविन्द पुत्रगण भवानी प्रसाद पाण्डेय 5. लालजी पुत्र बैरागी 6. कालिन्दी पाण्डेय पत्नी प्रदुग्न उर्फ प्रदुम पाण्डेय समस्त निवासीगण ग्राम परोई तप्पा हाटा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 7. कुसुमलता द्विवेदी पत्नी राकेश द्विवेदी साकिन बरईपार पो0 व्यौरव्यास तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर 8. हरीश पुत्र धर्मराज निवासी ग्राम ताल बगहिया पो0 उसका बाजार तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 29–05–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 29 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 14 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सपा सांसद की टिप्पणी के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा महिला मोर्चा आक्रोशित है। हमीरपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद द्वारा की गई टिप्पणी के विरोध में गुरुवार को महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर परिसर पहुंच प्रदर्शन किया। हाथों में बैनर और प्लेकार्ड लेकर सांसद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए माफी की मांग की।प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने 'प्रधानमंत्री का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान', 'सपा सांसद माफी मांगो', और 'अखिलेश यादव शर्म करो' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करना बेहद निंदनीय है। ऐसे बयान लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ हैं। भाजपा की महिलाओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता के सम्मान और विश्वास का प्रतीक हैं, इसलिए उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रदर्शन के माध्यम से महिलाओं ने समाजवादी पार्टी नेतृत्व से भी इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन में मुख्य रूप से भाजपा महानगर अध्यक्ष महिला मोर्चा श्वेता श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा चंचला शुक्ला, मीना श्रीवास्तव, रानी मिश्रा सहित बड़ी संख्या में संगठन की महिलाएं मौजूद रहीं। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर संबंधित सांसद से सार्वजनिक माफी की मांग की।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना जिले के युवाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर तैयार करेगी। योजना के माध्यम से युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य करना होगा। यह विचार जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त उज्जवल सिंह ने जिला अग्रणी बैंक भारतीय स्टेट बैंक कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में कही। बैठक में विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। उपायुक्त उज्जवल सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना युवाओं को रोजगार के लिए प्रेरित करने वाली है। उन्होंने सभी बैंकों से निर्धारित लक्ष्य हर हाल में पूरा करने का अनुरोध किया। कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवा उद्यमिता की ओर आगे बढ़ेंगे।

बैठक में उप निदेशक कृषि धनंजय सिंह ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी बैंक मिलकर कार्य करेंगे, तभी जिले की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बैठक में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) पर विस्तार से चर्चा की गई। उपनिदेशक ने बताया कि 15 मई से 31 मई तक जिले में केसीसी स्वीकृति एवं नवीनीकरण के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में नए केसीसी जारी करने के साथ पात्र किसानों को फसल बीमा योजना से जोड़ने पर भी विशेष जोर रहेगा। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बैंकों को युवाओं को ऋण देकर स्वरोजगार से जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

बैठक में जिला कृषि अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह, एसबीआई मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक अमित शंकर, जिला कृषि अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह, जिला उध्द्योग केंद्र से अजय कुमार श्रीवास्तव, सुजीत सिंह, फसल बीमा से रणजीत सिंह, लीड बैंक के अमरेंद्र श्रीवास्तव उपस्थित थे।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला– बस्ती
प्रकीर्ण वाद (ट्रांसफर प्रार्थना पत्र) सं0–66 / 2025

राम प्रसाद (मृतक) आदि
बनाम
राम नरायन (मृतक) आदि

2/1 आशीष चौधरी उम्र लगभग 28 वर्ष 2/2 अनूप चौधरी उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्रगण स्व0 राम उजागिर 2/3 श्रीमती विद्यावती उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी स्व0 राम उजागिर 2/4 प्रियंका उम्र लगभग 24 वर्ष 2/5 सुनीता उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्रीगण स्व0 राम उजागिर निवासीगण ग्राम परसाखुर्द बुजुर्ग दरियापुर जंगल तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 25–05–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 25 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला– बस्ती
वाद सं0– 616 / 2025

अर्जुन सोनकर आदि
बनाम
हरिवंश चौधरी आदि

1. हरिवंश चौधरी उम्र लगभग 73 साल पुत्र स्व0 भोलाराम 2. श्रीमती शकुन्तला त्रिपाठी उम्र 62 साल पत्नी गौरी शंकर 3. गोपाल त्रिपाठी उम्र लगभग 38 साल 4. माहेश्वरी प्रसाद त्रिपाठी उम्र लगभग 35 साल पुत्रगण गौरी शंकर निवासीगण साकिन गिदही खुर्द तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 25–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

डीडीयू में अतिरिक्त विषय पढ़ने की सुविधा को स्वीकृति

संवाददाता–गोरखपुर। डीडीयू से स्नातक कर चुके विद्यार्थी अब स्नातक स्तर पर एक अतिरिक्त विषय की पढ़ाई कर सकेंगे। यह निर्णय कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक में लिया गया। इसमें स्नातक सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अंतिम वर्ष में छोड़े गए विषय को पुनः पढ़ने संबंधी समिति की संस्तुतियों को मंजूरी दी गई। तय किए गए नियमों के अनुसार, यदि किसी अभ्यर्थी ने स्नातक अध्ययन के दौरान किसी विषय को दो वर्षों तक पढ़ा है, तो उसे संबंधित विषय के तृतीय वर्ष में नियमित प्रवेश दिया जा सकेगा। वहीं, यदि अभ्यर्थी ने उस विषय का पहले अध्ययन नहीं किया है, तो पात्रता के आधार पर प्रथम वर्ष में प्रवेश दिया जा सकेगा। दोनों ही स्थितियों में पहले से मिले स्नातक उपाधि में कोई संशोधन नहीं होगा। सीट उपलब्ध न होने पर अभ्यर्थियों को सुपरन्यूमेरेरी सीट पर प्रवेश दिया जा सकेगा। साथ ही नियमित कक्षाओं में उपस्थिति और विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा। कुलपति प्रो पूनम टंडन ने बताया कि यह सुविधा अन्य विश्वविद्यालयों से स्नातक उपाधि प्राप्त अभ्यर्थियों के लिए भी समान नियमों के तहत उपलब्ध होगी। यह पहल विद्यार्थियों को बहुविषयक अध्ययन और ज्ञान विस्तार के नए अवसर प्रदान करेगी।

पूर्व मंत्री गंगा निषाद पर जानलेवा हमला, हथौड़ी से सिर पर वार

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के खुटहन खास गांव में बृहस्पतिवार की सुबह पूर्व मंत्री गंगा निषाद पर मनबढ़ों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में उनके सिर में गंभीर चोट आई है। परिजनों ने आनन–फानन में उन्हें सीएचसी चरगावां पहुंचाया, जहां हालत नाजुक देख चिकित्सकों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पूर्व मंत्री के बेटे सुरेंद्र निषाद ने बताया कि उनके पिता गंगा निषाद प्रतिदिन की तरह सुबह घर के दरवाजे पर टहल रहे थे। इसी दौरान पड़ोस के रहने वाले श्रीभागवत निषाद, उनके बेटे अजय निषाद, विजय निषाद व कुछ अज्ञात लोग मौके पर पहुंचे और शटरिंग में प्रयुक्त होने वाले हथौड़ी से हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने सिर पर वार किया, जिससे बाईं आंख के ऊपर गंभीर चोट लगी। परिजनों का कहना है कि हथौड़ी का नुकीला हिस्सा करीब दो इंच तक सिर में धंस गया।

बताया जा रहा है कि करीब दस दिन पहले पड़ोसी द्वारा मकान की नींव से सटे स्थान पर गड्ढा खुदवाया गया था। परिवार के लोगों ने बारिश के मौसम का हवाला देते हुए गड्ढा न खोदने की बात कही थी, क्योंकि मकान ढहने की आशंका थी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच मनमुटाव चल रहा था। घटना के दौरान चीख–पुकार सुनकर परिवार के लोग बाहर निकले तो आरोपित मौके से फरार हो गए।

अस्पताल बना मंडप, आईसीयू में भरी मांग, फेरों से पहले निभा दिया वचन

संवाददाता–गोरखपुर। बदकिस्मती भरे एक हादसे से मद्धम पड़ती खुशियों की रौनक को दो परिवारों की आपसी समझ और जज्बातों ने नई रंगत दे दी। शादी के दिन हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईसीयू में पड़ी दुल्हन की मांग भावनाओं के सिंदूर से सजाकर दूल्हे ने एक नई मिसाल पेश की। बुधवार को दुल्हन के दरवाजे पर द्वारपूजा और अन्य रस्में पूरी करने के बाद दूल्हा अस्पताल पहुंचा सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन दिया। बांसगांव के हटवार गांव की रहने वाली पूजा यादव का रिश्ता परिवार के लोगों ने महादेवा बाजार के महुआ निवासी सन्नी यादव से तय किया था। नवंबर 2025 में यह रिश्ता तय होने के बाद 13 मई को शादी के लिए पूजा के घर बरात आनी थी। घर में मंगल गीत गूंज रहे थे। नई जिंदगी के सपने संजोए पूजा एलएलबी अंतिम सेमेस्टर की अपनी परीक्षा देने भाई के साथ खलीलाबाद स्थित कॉलेज के लिए निकली तो परिवार की महिलाओं ने हंसी–ठिठोली करते हुए बलाएं उतारी थीं।

बदकिस्मती भरे एक हादसे से मद्धम पड़ती खुशियों की रौनक को दो परिवारों की आपसी समझ और जज्बातों ने नई रंगत दे दी। शादी के दिन हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद आईसीयू में पड़ी दुल्हन की मांग भावनाओं के सिंदूर से सजाकर दूल्हे ने एक नई मिसाल पेश की। बुधवार को दुल्हन के दरवाजे पर द्वारपूजा और अन्य रस्में पूरी करने के बाद दूल्हा अस्पताल पहुंचा सात जन्मों तक साथ निभाने का वचन दिया। बांसगांव के हटवार गांव की रहने वाली पूजा यादव का रिश्ता परिवार के लोगों ने महादेवा बाजार के महुआ निवासी सन्नी यादव से तय किया था।

नवंबर 2025 में यह रिश्ता तय होने के बाद 13 मई को शादी के लिए पूजा के घर बरात आनी थी। घर में मंगल गीत गूंज रहे थे। नई जिंदगी के सपने संजोए पूजा एलएलबी अंतिम सेमेस्टर की अपनी परीक्षा देने भाई के साथ खलीलाबाद स्थित कॉलेज के लिए निकली तो परिवार की महिलाओं ने हंसी–ठिठोली करते हुए बलाएं उतारी थीं।

शाम को सन्नी यादव बरात लेकर हटवार गांव पहुंचे। वहां द्वारपूजा और अन्य प्रारंभिक रस्में पूरी की गईं। इसके बाद तय हुआ कि दूल्हा अस्पताल जाकर सिंदूरदान करेगा। रात करीब एक बजे सन्नी कुछ रिश्तेदारों के साथ अस्पताल पहुंचे। सन्नी ने आईसीयू में ही पूजा की मांग भरी। हालात से उपजे इस नजारे ने वहां मौजूद लोगों दोनों परिवारों के साथ ही अस्पताल के कर्मचारियों को भी भावुक कर दिया और छलकती आंखों से दूल्हा–दुल्हन के लिए दुआएं बरसती दिखीं। सिंदूरदान के बाद सन्नी गांव लौटे और वहां शादी की बाकी रस्में पूरी की गईं। पूरे इलाके में यह शादी चर्चा में रही।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–51 / 2026

अशोक कुमार सिंह आदि
बनाम
मुश्ताक अहमद आदि

1. मुश्ताक अहमद वालिग पुत्र यार मोहम्मद निवासी मंगल बाजार बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती मुकाम मुट्ठीगंज तहसील तरबगंज जनपद गोण्डा –विपक्षी प्रथम वर्ग
2. अनवर अली वालिग पुत्र रमजान अली निवासी दर्जी टोला मंगल बाजार पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती –विपक्षी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 18–05–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 18 माह 05 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–45 / 2025
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

गुरू प्रसाद तिवारी उर्फ चन्द्र प्रकाश
बनाम
आकाश पाण्डेय आदि

1. आकाश पाण्डेय उम्र लगभग 15 वर्ष पुत्र रामप्रगट उर्फ गंगा प्रसाद संरक्षिका माता अन्नपूर्णा देवी पत्नी रामप्रगट साकिन मरविटया पाण्डेय हाल मुकाम नकटीदेई तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. मु0 श्यामपियारी उम्र लगभग 70 वर्ष पत्नी स्व0 जनार्दन प्रसाद साकिन नकटीदेई बुजुर्ग तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 12–07–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com